vinetur

कनाडाई शराब आयात पर अमेरिकी प्रतिबंध मंगलवार से लागू हुए

59 समूहों वाले उद्योग गठबंधन ने कहा कि ये प्रतिबंध छुट्टियों की इन्वेंटरी योजना को बाधित करेंगे और बार, रेस्तरां तथा खुदरा विक्रेताओं पर दबाव बढ़ाएंगे।

मंगलवार, 29 सितंबर 2026



कनाडा के साथ ट्रंप प्रशासन का व्यापार विवाद मंगलवार की शुरुआत में और गहरा गया, जब कुछ कनाडाई वस्तुओं, जिनमें अल्कोहल उत्पाद भी शामिल हैं, पर नए अमेरिकी आयात प्रतिबंध 12:01 a.m. ET पर लागू हो गए। इसके बाद अमेरिकी शराब उद्योग के एक व्यापक गठबंधन ने चेतावनी दी कि यह कदम छुट्टियों के मौसम में जाते समय रेस्तरां, बार और खुदरा विक्रेताओं को नुकसान पहुंचाएगा।

Toasts Not Tariffs Coalition, जो खुद को अमेरिकी शराब उद्योग के 59 समूहों का गठबंधन बताता है, ने कहा कि कनाडाई शराब पर लगाया गया यह प्रतिबंध अमेरिकी हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में "तरंगें" पैदा करेगा, वह भी ऐसे संवेदनशील समय में जब कारोबार आम तौर पर महीनों पहले इन्वेंटरी बनाते और प्रचार योजनाएं तय करते हैं। समूह ने कहा कि इस विवाद ने पहले ही अमेरिकी वाइन और स्पिरिट्स उत्पादकों पर "गंभीर असर" डाला है।

यह चेतावनी सीमा के दोनों ओर मौजूद पेय कंपनियों के लिए एक व्यापक समस्या की ओर इशारा करती है। आपूर्ति में

तत्काल कमी के अलावा, ये नए प्रतिबंध यह बदल सकते हैं कि अमेरिका और कनाडा के बीच वाइन, बीयर और स्पिरिट्स कैसे आवाजाही करते हैं, जिससे आयातकों, वितरकों, रेस्तरां और खुदरा विक्रेताओं के लिए उपलब्धता, मूल्य निर्धारण, खरीद अनुबंध और बिक्री योजना पर असर पड़ सकता है। ये दबाव और तीखे हो सकते हैं क्योंकि ये प्रतिबंध ठीक उसी समय आ रहे हैं जब उद्योग वर्ष के सबसे व्यस्त दौरों में से एक की तैयारी कर रहा है।

गठबंधन ने बातचीत से समाधान की अपील की और कहा कि दोनों देशों के कारोबार और उपभोक्ताओं के लिए यही सबसे अच्छा परिणाम रहेगा। अपने बयान में समूह ने कहा कि एक समझौते से अमेरिकी स्पिरिट्स और वाइन उत्पाद कनाडाई दुकानों की अलमारियों पर लौटने चाहिए, सीमा के दोनों ओर उपभोक्ता विकल्प बने रहने चाहिए और हॉस्पिटैलिटी कारोबारों को उस व्यापारिक लड़ाई के शिकार बनने के बजाय विकास पर ध्यान देने देना चाहिए, जिस पर उनका नियंत्रण नहीं है।

मंगलवार के उपाय पहले से घोषित उस व्यापक अमेरिकी पैकेज का हिस्सा हैं, जिसमें कुछ कनाडाई मादक पेयों, डेयरी उप-उत्पादों और मोटरसाइकिलों सहित अन्य वस्तुओं पर प्रतिबंध शामिल हैं। प्रशासन ने इन प्रतिबंधों को व्यापार वार्ताओं में कनाडा से रियायतें लेने की अपनी कोशिश का हिस्सा बताया है।

यह ताजा कदम पिछले महीने ओटावा और वॉशिंगटन के बीच व्यापार वार्ता के टूटने के बाद आया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा ने वार्ता से इसलिए हाथ खींच लिया क्योंकि अमेरिका ने अंतिम क्षणों में ऐसी शर्तें पेश कीं, जिनमें अन्य देशों के साथ नए व्यापार समझौते करने की कनाडा की क्षमता पर पाबंदियां भी शामिल थीं। उन वार्ताओं के विफल होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ और अतिरिक्त आयात प्रतिबंधों के कई दौरों के जरिए कनाडा पर दबाव और बढ़ा दिया है।

उद्योग समूहों का कहना है कि सीधे प्रभावित क्षेत्रों पर इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं। रेस्तरां और बार अक्सर सीमा-पार आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें मौसमी मांग, मौजूदा वितरण समझौतों और तय खरीद कार्यक्रमों के हिसाब से योजनाबद्ध किया जाता है। कनाडाई शराब आयात में अचानक कटौती ऑपरेटरों को कम समय में उत्पाद बदलने, पेय सूची संशोधित करने और वितरकों के साथ ऑर्डर पर फिर से बातचीत करने के लिए मजबूर कर सकती है। खुदरा विक्रेताओं को भी इसी तरह की बाधाएं झेलनी पड़ सकती हैं यदि उन्हें बिक्री के उच्च-आयतन वाले दौर में विकल्प तलाशने पड़ें।

अमेरिकी उत्पादकों के लिए दबाव सिर्फ अमेरिका में आने वाले आयात तक सीमित नहीं है। गठबंधन के बयान से संकेत मिलता है कि यह विवाद अमेरिकी निर्यातकों, खासकर उन वाइन और स्पिरिट्स कंपनियों को भी नुकसान पहुंचा रहा है जो कनाडाई बिक्री पर निर्भर हैं। यदि अमेरिकी उत्पाद कनाडाई दुकानों की अलमारियों पर उपलब्ध नहीं रहते, तो उत्पादक घरेलू अनिश्चितता से जूझते हुए एक महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंच भी खो सकते हैं। इससे पेय उद्योग में उत्पादन योजना, इन्वेंटरी फैसलों और मार्केटिंग समझौतों को जटिलता हो सकती है।

कनाडा पर पड़ने वाले व्यापक आर्थिक असर को लेकर बहस जारी है। प्रभावित उद्योगों के हितधारकों ने चेतावनी दी है कि व्यापार प्रतिबंध कुछ व्यवसायों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं, जबकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि कनाडाई अर्थव्यवस्था पर समग्र असर अपेक्षाकृत सीमित हो सकता है। फिर भी, जो कंपनियां शराब और संबंधित उत्पादों की सीमा-पार बिक्री पर निर्भर हैं, उनके लिए तत्काल समस्या राष्ट्रीय विकास के आंकड़ों से कम और खोए हुए ऑर्डरों, बाधित आपूर्ति शृंखलाओं तथा ग्राहकों के लिए सीमित विकल्पों से अधिक जुड़ी है।

यह विवाद अब दोनों देशों के कारोबारों को यह देखने की प्रतीक्षा में छोड़ देता है कि क्या अधिकारी आगे नुकसान फैलने से पहले वार्ता फिर शुरू कर सकते हैं। फिलहाल नए अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं, और जो कंपनियां वाइन, स्पिरिट्स तथा अन्य पेय बेचती, आयात करती या परोसती हैं, वे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध में आए एक और अचानक बदलाव के अनुसार खुद को ढाल रही हैं।